“The season of failure is the best time for sowing the seeds of success”

Poverty Free Rural India
In
< 5 years ??

INPUT

Lack of awareness

Lack of Unity

Lack of community leadership and participation

Lack of education

Lack of sanitation, hygiene

Wrong priorities

Poor access to entitlements

Lack of skills

Lack of productive assets

OUTPUT

Illiteracy

Unemployment

Indebtedness

Addictions

Diseases

Malnutrition

Exclusion and exploitation

Superscription and social evils

Uncertainty of income

OUTCOME

POVERTY

INPUT

Awareness and Training

Exposure

Regular gramsabha

Access to Education

Awareness @ sanitation, hygiene

Right priorities

Access to entitlements

Access to skilling program

Access to productive assets

OUTPUT

Unity in village

Employment opportunities

Mahajan se mukti

Nashabandi

Good health

Literacy

Inclusion , local leadership and participation

Free from Superstition and social evils

Regular income

OUTCOME

PROSPERITY

क्या यह एक स्वप्न ही रहेगा ?

या

क्या निकट भविष्य में यह संभव है ?

70 साल बाद हम कहाँ हैं?

- रालेगाँव (श्री अन्ना हज़ारे)
- हिवरे बाज़ार (श्री पोपट राव पवार)
- पिपलान्तरी (श्री श्याम सुंदर पालीवाल)
- तिलोनिया (श्री बंकर रॉय)

- और मात्र कुछ और .....

सरकारी प्रयास से एक भी गांव आत्मनिर्भर नहीं हो सका है।

“ If there is a problem, and I am not part of the solution , then I am part of the problem.”

विकास है क्या ?

- मूलभूत संरचनाओं का निर्माण ?
- सड़क, बिजली, पीने और सिंचाई के लिए पानी, अस्पताल, विद्यालय, आंगनवाड़ी केंद्र..... ?

उपरोक्त सभी संरचनाओं की उपलब्धता के बाद भी हमारे गाँव विकसित नहीं हो सकते हैं।

स्वामी विवेकानंद ने क्या कहा है?
(1893)

“यदि दुनिया के सभी बैंकों का धन (पैसा) भारत के एक गांव में लगा दिया जाय तो भी उस गाँव का विकास नहीं हो सकता जब तक कि उस गाँव के लोग स्वंय, सही अर्थों में जागृत नहीं हो और अपने विकास के लिए स्वत: आगे न आयें ।”

सरकारी योजनाओं की कमी

- वैचारिक जागृति का अभाव
- सामाजिक सरोकार की कमी

(स्वावलंबी एवं गरीबी मुक्त गाँव) कैसे ?

- वर्तमान तरीकों से सरकार नहीं कर सकती ।
- हर व्यक्ति (पुरुष / महिला) की क्षमता का उपयोग आवश्यक है ।
- सभी ग्रामीणों को सशक्त बनाना होगा ।
- ग्रामीणों को इस आंदोलन का हिस्सा बनना होगा और उनका योगदान प्राप्त करना होगा ।

Doctrine of Prime Mover

कैसे करें ?

- Women CRPs as Prime Mover/ परिवर्तन कर्ता
- स्थानीय नेतृत्व / विकास मित्र / विकास दूत / सीएमआरडीएफ

- व्यवस्था का अंग या व्यवस्था तथा ग्रामीणों के बीच का सेतु

Activities for Prime Mover

1.To invest time

2.To Organise and unite the village

3.Lok shikshan

Indicators for Prime Mover

Indicators(Social)

1. Regular (weekly) meeting and gram sabha with participation of all HHs.
2. Collective daily cleaning of the village space. MY WASTE – MY RESPONSIBILITY
3. Regular shramdan
4. Alcohol Free
5. Dispute Free
6. No child marriage, (Girls >18 yrs only)
7. No child labour
8. Hum DO Hamare Ek/DO ... (Chota Parivar)
9. Games, Yoga and Meditation
10. Gender
11. Superstitions

Indicators (Health)

1. **100 percent immunisation of kids**
2. **100 percent institutional delivery**
3. **Anaemia free village (girls and mothers both)**
4. **Free from Malnutrition,100 percent care of existing cases**
5. **Ideal AWC**
6. **Universal Health education in all age groups as per need (ex. Breast feeding in first hr of birth etc.) *local culture must be respected***
7. **ODF (100 percent use of toilets)**

Indicators (Education)

1. 100 percent enrolment of all boys and girls in school
2. No drop out
3. 100 percent enrolment in HS
4. Hiring of teacher by the community
5. 100 percent literacy in 6 months
6. Village library (Autobiographies of great sons and daughters of the nation)
7. Teachers training and orientation
8. Value education

Indicators(Water Resources)

1. Watershed Management / Jal swavlamban
2. Ridge to Valley approach
3. Dobha, Field bund, Drainage line treatment, TCB, LBCD, 30*40 model , SCT, WAT
4. No Borewells, Water Budgeting, Water use efficiency
5. Wells for Irrigation; Surface water for environmental function only
6. Jal Swavlamban se Gram swavlamban

Indicators(Agriculture)

1. Chemical free Agriculture, AMRUT Krishi
2. Compost preparation by all HHs
3. Soil health card
4. LRI
5. Water budgeting and water use efficiency
6. Substantial increase in agri intensity
7. Crop Rotation
8. Integrated pest management
9. Better planting material, Indigenous seeds, Shed net Nursery, Soil less seedling

Indicators (Forestry)

1. Rakshabandhan in Forest areas
2. No open grazing
3. No Cutting of Trees
4. Stop use of axe.
5. No encroachment in Forest
6. No illegal approval of FRA
7. No Fire in Forest Area
8. Protection and Assisted Natural Regeneration (ANR)

Indicators(Forestry)

Greening the village by planting suitable sps.

1. **In Forest areas**
2. **In GM Land**
3. **Along Roads and Pathways**
4. **Farm Forestry**
5. **Agro Forestry**
6. **Horticultural plantation**
7. **Wadi plantation**
8. **Fuelwood and Fodder plantation**

Indicators(Livelihoods)

1. High value agriculture
2. Horticulture, vegetable cultivation
3. Intercropping
4. Dairy
5. Bee Keeping
6. Piggery, Fishery, Goatery, Duckery,
7. NTFP (Lac, tamarind, mahua, Leaf manure, Leaf plate, medicinal plants)
8. Muri m/c, fodder cutting m/c, Rice milling
9. Brick making
10. Rural / Cultural tourism

Indicators(FI)

1. PM Jan Dhan Yojna (Separate bank a/c for all)
2. PMSBY (Rs 12 per year)
3. PMJJBY (Rs 330 per year)
4. APY
5. Mudra loan
6. SHG bank linkage
7. Bank Loan only in need

Indicators(Infrastructure)

1. *All weather road connectivity*
2. *Piped water supply / Clean drinking water*
3. Universal access to toilet
4. Electricity connection(SAUBHAGYA)
5. Play ground
6. Akhra
7. Soak pits
8. Telephone
9. *Internet*
10. *Better management of school*
11. *Better management of AWC*
12. *Better management of PHC/ HSC*

Indicators(Processing & Market linkage)

1. Post Harvest Mgt
2. Value addition / Value chain
3. Agricultural Processing
4. Cold room, Cold storage
5. Innovative marketing (Farm gate to consumer)
6. Branding
7. Chemical Free produce
8. Biscuit etc ? Swami shshankananda ????... Local delicacies... Local food and cusine.. Healthy and nutritious only .

लोक शिक्षण के परिणाम

- बेहतर awareness ,training and health से हमारा मानव संसाधन liability से asset बनता जाएगा
- Human capital is superior to other resources like land and physical capital
- Better human resource can make use of land and capital; Land and capital cannot become useful on its own!!

Road Map For Jharkhand

- प्रत्येक ग्राम हेतु एक Prime Mover की आवश्यकता
- 16500*15000*12= Rs 297 cr

- प्रखण्ड स्तर पर एक समन्वयक @ 8 GPs
- 550*50000*12=Rs 33 Cr

- जिला एवं मुख्यालय हेतु
- 24*70000*12=Rs 2 Cr
- 5*125000*12=Rs 0.75 Cr

- लगभग 350cr प्रतिवर्ष मे पूरा राज्य
- Quality Prime Mover सर्वाधिक महत्वपूर्ण होगा । प्रारम्भ में उतनी ही ग्राम पंचायत में शुरुआत करें जितने अच्छे Prime Mover हों।

- Prime Mover का चयन / प्रशिक्षण / सतत क्षमता वर्धन महत्वपूर्ण.

- ग्रामीणों का क्षमतावर्धन तथा exposure
- इस कार्य में सीएसओ की भूमिका है
- जहां सामाजिक पूंजी मौजूद है वहीं से प्रारम्भ करें।
- सखी मण्डल से आच्छादित ग्राम पंचायत
- अच्छे मुखिया
- CFT प्रखण्ड
- SAGY/ RuRBAN आदि

- There Will Be No Exit Clause in this program
- राष्ट्रीय स्तर के अच्छे संस्थान / सीएसओ के साथ भागीदारी

"परिणाम 6 महीने में दिखाई देंगे"

ओरमांझी प्रखण्ड के आरा और केरम गांव में किया गया प्रयोग
(जिला-रांची)

सामान्य जानकारी

आरा और केरम

- रांची से 30 मिनट की दूरी
- (83 + 34=117) परिवार
- 115 परिवार शराब बनाने/ पीने/ बेचने के कार्य में लिप्त
- वर्ष में 28 लाख से अधिक की शराब का सेवन
- प्राकृतिक संसाधनों का Unsustainable उपयोग
- दैनिक मजदूरी के लिए प्रतिदिन रांची

कैसे संभव हुआ ?

- Invest your time
- गांव में नियमित बैठक / गोष्ठी
- गाँव के विभिन्न मुद्दों पर सामूहिक विमर्श
- गांव की एकता सर्वाधिक महत्वपूर्ण
- स्वंय सहायता समूह बनाने के लिए विशेष अभियान
- नियमित ग्राम सभा
- गांव के जीवन के प्रत्येक आयाम पर चर्चा / समुदाय के भीतर भी चर्चा (जल, जंगल, जमीन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़ी-रोटी, नशाखोरी, चराई, जन संख्या, श्रमदान, बालविवाह, पेयजल, लिंग भेद, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन , Watershed Approach, सिंचाई, जल स्वावलंबन ..... आध्यात्मिक जीवन)

How does it happen…….

- नियमित विमर्श
- स्वयं के खर्च पर सिमरकुंडी का भ्रमण (प्रमुख प्रेरणा)
- गुफ़ू भ्रमण
- रालेगांव/ हिवरे बाजार का भ्रमण
- संजय रे द्वारा प्रशिक्षण
- नियमित ग्राम सभा

How does it happen…….

- जानकारी (Awareness)
- प्रशिक्षण (Training)
- एक्सपोजर (Exposure)
- भागीदारी (Involvement)

How does it happen.....

- बोतलराम
- लोटाराम ---------- गरीबराम
- अँगूठाराम

How does it happen.....

CMRDF

- Empathy quotient
- Credential v/s Accomplishment

- भाषा
- भोजन ---------- सम्मान
- भेषभूषा

- लोक शिक्षण का महत्व ---- काश्मीर

किये गये कार्य .....

- @ 45 डोभे पूरे हुए मनरेगा
- करीब 75 डोभा सतत जल उपलब्धता हेतु आवश्यक
- नशाबंदी लागू, जनवरी 2017 (कोई लागत नहीं)
- वन में अवैध पातन/ अवैध खनन पर पूरी तरह से प्रतिबंध (कोई लागत नहीं)
- खुली चराई पर प्रतिबंध (कोई लागत नहीं)
- महुआ संग्रह हेतु जंगल में आग नहीं (कोई लागत नहीं)
- रक्षाबंधन (कोई लागत नहीं)
- स्कूल जाने वाले बच्चों तथा ग्रामीणों द्वारा गाँव में नियमित सफाई (कोई लागत नहीं)
- लोटा बंदी (कोई लागत नहीं)
- नियमित श्रमदान (कोई लागत नहीं)
- प्लेटफॉर्म/ मंदिर / सरना स्थान / नर्सरी (कोई लागत नहीं)

क्रमशः.....

- प्रत्येक पात्र परिवार के लिए NADEP/COMPOST PIT (जैविक खेती की तरफ एक कदम) मनरेगा
- प्रत्येक पात्र परिवार के लिए गाय शेड / बकरी शेड / पिग शेड / कुक्कुट शेड मनरेगा
- प्रत्येक पात्र परिवार के लिए बायो गैस मनरेगा
- बच्चों हेतु शिक्षक (कोई लागत नहीं)
- सखी मण्डल द्वारा साक्षरता अभियान (कोई लागत नहीं)
- हम दो हमारे एक या दो (कोई लागत नहीं)
- झगड़ा / फसाद से मुक्त (कोई लागत नहीं)
- प्लास्टिक के उपयोग पर पाबन्दी (कोई लागत नहीं)
- सभी छूटे परिवारों के लिए शौचालय मनरेगा
- मेढ़बंदी मनरेगा
- ग्राम सभा ड्राइविंग सीट में है, ग्राम प्रधान पूरी तरह से शामिल है। वह ग्रामसभा के प्रमुख है।
- ग्राम सभा हर सप्ताह बैठक करती है।

क्रमश:.....

- 4 साल से तैयार परंतु बंद पड़ी पेयजल की आपूर्ति प्रणाली को अब केरम में कार्यान्वित किया गया है
- YSS आरा गांव में नया पाइपयुक्त पेयजल आपूर्ति का निर्माण कर रहा है।
- केरम में ग्रेविटी सिंचाई प्रणाली मनरेगा
- नाला विकास कार्य / जलछाजन सिद्धांत पर मनरेगा
- सोक पिट का निर्माण मनरेगा
- वाटरशेड अप्रोच में saturation मोड से treatment

(ridge से valley तक)

क्रमश:.....

- एक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाना है मनरेगा
- आरा और केरम को ग्रामीण पर्यटन स्थल (Home Stay) के रूप में विकसित किया जाएगा
- आम/ इमारती लकड़ी/ जलावन/ चारा प्रजाति का वृक्षारोपण मनरेगा
- पुस्तकालय निर्माण

मंजिल.....

- निस्वार्थ,त्यागी और स्वावलंबी समाज
- शाश्वत / सतत विकास
- Climate स्मार्ट जलछाजन विकास कार्य
- रसायन मुक्त/ जैविक खेती
- वन, वन्यजीव और जैव विविधता संरक्षण
- नदी / नाला Rejuvenation
- Waterled development
- ग्राम सुराज

प्रस्ताव

ओरमाँझी प्रखण्ड से प्रारम्भ (JGSS)

- 18 ग्राम पंचायत (91गाँव)--- 18 सीएमआरडीएफ़
- 18*(15000 to 21000)*12= Rs 32,40,000 /- to 45,36,000/-
- 2 mentors प्रखण्ड हेतु
- 2*(21000 to 35000)*12 = Rs 5,04,000/- to 8,40,000/-
- 2 supervisory positions in hq .. 2*80,000*12 =19,20,0000/
- प्रशिक्षण हेतु Rs 25,00,000/-

Farm Pond

Farm Pond

Farm Pond

Vimarsh with the community

Training on Fishery

Production of fish fry

Monthly meeting of all SHGs

Afforestation in Sarna Sthal

Road Side Plantation

Nursery

श्रमदान

Raksha Bandhan in forest

NADEP Compost Pit

NADEP Compost pit

NADEP Compost pit

Cow shed

Goat Shed

Consultations

- **Swami shashakananda**
- **Deep Joshi**
- **Shyamsunder Paliwal**
- **Anna Hazare**
- **Popat Rao Pawar**
- **Laxman singh laporia**
- **DAs**
- **CMRDFs**
- **Across the nation similar experiments**

- 2- Pin

Community mobilisation जनजागरण

स्थानीय भाषा में नुक्कड़ नाटक

Play / Skit / Nukkad natak in vernacular

Local artists are roped in …

Meeting with all women committees

Meeting with all women vss members

Padyatra...

Padyatra...

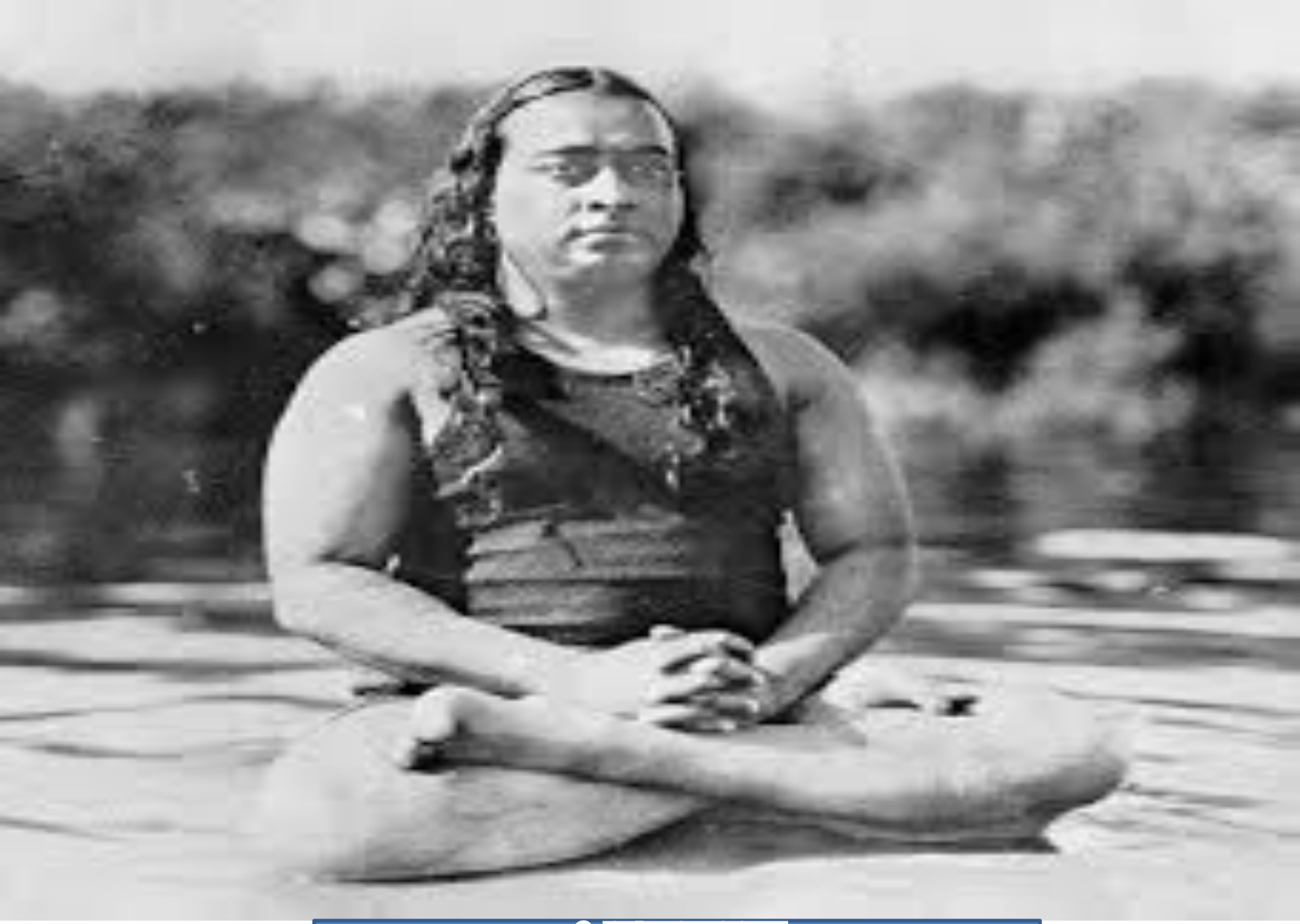

धन्यवाद

- Swami Satyananda on 4th march 1956

- “There is a voice that comes from the depth of my soul saying that I should live in a remote village amongst people who are illiterate, poor and unhappy, and serve them. I have decided that I will follow my call.I will leave whenever I receive Gurudeva’s blessings.”

- Swami Satyananda on 3rd december,1996 Rikhia

- Just as I spread yoga throughout the world, I will donate cows to each and every house. Each house will have a water supply. There will be fields to till.I shall see to it that this happens: “Green Rikhia , Prosperous Rikhia.”

  This is my promise and my pledge to you.

- Take care of your neighbours as I have taken care of you..
- I am His servant. if I have the feeling that I am a servant, I do not have to worry. I have to just carry out His orders.
- A servant has no accountability, no responsibility . I am doing it because He asked me to do.
- So now , to live only for others should be the dharma of Swami Satyananda's life... now I have received His order and I am meant to work for others, not for my own spiritual salvation.

- I can see very clearly that thousands of young, brilliant, fresh, enthusiastic, energetic boys and girls will take up this work throughout the rural sectors of India. They will go to each village and live and work with the village people for their upliftment.(47p)
- It is very important to protect the natural culture of this country.
- I can clearly see a new type of sanyasin, who will be free from selfishness and personal ambitions , whose main thought will be how to help others. Helping others is praying to God; living amongst the poor and needy is living with God. Have *atmabhava* ,feeling yourself in others, and by developing this feeling, the possibility of enlightenment becomes greater.

Thank you so much for your attention !!